न्यूज़ टुडे

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने कम मूल्य वाले BHIM-UPI लेन-देन (P2M) को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दी

यह योजना UPI **पर्सन-टू-मर्चेंट (P2M) लेन-देन** को कवर करेगी। इसे वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 1,500 करोड़ रुपये के अनुमानित परिव्यय के साथ लागू किया जाएगा।

योजना की मुख्य विशेषताएं

- **प्रोत्साहन: छोटे व्यापारियों की श्रेणी** से संबंधित **2,000** रुपये तक के लेन-देन के लिए **प्रति लेन-देन मूल्य पर 0.15 प्रतिशत** का प्रोत्साहन प्रदान किया जाएगा।
  - प्रोत्साहन राशि का भुगतान प्राप्तकर्ता बैंक (व्यापारी के बैंक) को किया जाएगा और इसे जारीकर्ता बैंक (ग्राहक का बैंक), भुगतान सेवा प्रदाता बैंक तथा ऐप प्रदाताओं के साथ साझा किया जाएगा।
- **उद्देश्य:**
  - स्वदेशी रूप से विकसित **BHIM-UPI प्लेटफॉर्म** को बढ़ावा देना।
  - वित्त वर्ष 2024-25 में **20,000 करोड़ रुपये के कुल लेन-देन** का लक्ष्य हासिल करना।
  - **फीचर फोन-आधारित (UPI 123PAY) और ऑफलाइन (UPI लाइट/ UPI LiteX)** भुगतान समाधान जैसे नवोन्मेषी उत्पादों को प्रोत्साहित करना। इससे देश के **टियर-3 से टियर-6 शहरों** तक, विशेष रूप से ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में UPI का विस्तार करने में मदद मिलेगी।
- **मुख्य लाभ:** छोटे व्यापारियों को बिना किसी अतिरिक्त लागत के UPI सेवाओं का लाभ उठाने में सक्षम बनाना।
  - इससे पहले, 2020 में, BHIM-UPI लेन-देन को बढ़ावा देने के लिए **मर्चेंट डिस्काउंट रेट (MDR) को शून्य** कर दिया गया था।
    - MDR वह दर है, जिस पर व्यापारियों से डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, नेट बैंकिंग और डिजिटल वॉलेट के माध्यम से भुगतान स्वीकार करने पर शुल्क लिया जाता है।

संबंधित सुर्ख़ियां

- **NPCI इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड (NIPL)**
  - NIPL **ने सिंगापुर** स्थित भुगतान कंपनी के साथ साझेदारी की है, ताकि वैश्विक स्तर पर UPI की स्वीकार्यता बढ़ाई जा सके।
- **NIPL के बारे में**
  - इसे 2020 में NPCI की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी के रूप में शामिल किया गया था।
  - यह भारत के बाहर RuPay (घरेलू कार्ड योजना) और UPI (मोबाइल भुगतान समाधान) के विस्तार के लिए समर्पित है।

भारत इंटरफेस फॉर मनी (BHIM), 2016 के बारे में

- यह एक भुगतान ऐप है, जो **यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI)** का उपयोग करके सरल, त्वरित एवं आसान लेन-देन को सक्षम बनाता है।
  - UPI एक ऐसी प्रणाली है, जो कई बैंक खातों को एक ही मोबाइल एप्लिकेशन में सम्मिलित करने में सक्षम बनाती है। इसमें बैंक स्वेच्छा से भागीदार बनते हैं।
- इसे डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए **भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (NPCI)** ने विकसित किया है।

UPI की मुख्य विशेषताएं

वर्चुअल पेमेंट एड्रेस
बैंक विवरण की बजाय VPR का उपयोग करके धन प्रेषित करें और प्राप्त करें

सिंगल क्लिक 2FA
एक क्लिक के साथ टू-फैक्टर प्रमाणीकरण

इंडिया स्टैक इंटीग्रेशन
इंडिया स्टैक के पेमेंट्स लेयर का एकीकृत भाग

UPI वन वर्ल्ड
NRIs और विदेशी आगंतुकों के लिए UPI द्वारा संचालित वॉलेट

कैबिनेट ने संशोधित राष्ट्रीय गोकुल मिशन को मंजूरी दी

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने **पशुधन क्षेत्रक** के विकास को बढ़ावा देने के लिए **संशोधित राष्ट्रीय गोकुल मिशन (RGM)** को मंजूरी दी।

राष्ट्रीय गोकुल मिशन (RGM) के बारे में

- **आरंभ:** इसे **2014** में शुरू किया गया था।
- **उद्देश्य:** देशी गोजातीय नस्लों का विकास और संरक्षण करना; गोजातीय आबादी का आनुवंशिक उन्नयन करना; गोजातीय पशुओं के दुग्ध उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि करना आदि।
- **कार्यान्वयन: पशुपालन और डेयरी विभाग।**
- **मिशन के अंतर्गत शामिल गतिविधियां:** वीर्य केंद्रों का सशक्तीकरण करना; कृत्रिम गर्भाधान नेटवर्क बनाना; केंद्रीय मवेशी प्रजनन फार्मों का सुदृढ़ीकरण करना; किसानों का कौशल विकास करना एवं उनमें जागरूकता का प्रसार करना आदि।
- **गोकुल ग्राम:** इसमें **एकीकृत देशी मवेशी विकास केंद्रों के रूप में 16 गोकुल ग्रामों** की स्थापना का प्रावधान किया गया है। इसका उद्देश्य वैज्ञानिक और समग्र तरीके से देशी गोजातीय नस्लों का संरक्षण एवं विकास करना है।

संशोधित राष्ट्रीय गोकुल मिशन (RGM) की मुख्य विशेषताएं

- **परिव्यय:** 15वें वित्त आयोग की सिफारिश अवधि (वित्त-वर्ष 2021-22 से 2025-26 तक) के लिए 3,400 करोड़ रुपये का परिव्यय निर्धारित किया गया है।
- **दो नई गतिविधियां जोड़ी गईं:**
  - **बछिया पालन केंद्र (HRCs):** कुल 15000 बछियों के लिए 30 आवासीय सुविधाओं के निर्माण को लेकर कार्यान्वयन एजेंसियों को **बछिया पालन केंद्रों की स्थापना हेतु पूंजीगत लागत का 35% तक एकमुश्त सहायता** प्रदान की जाएगी।
  - **किसानों के लिए ब्याज अनुदान:** किसानों द्वारा **उच्च आनुवंशिक विशेषताओं (High genetic merit) वाली इन विट्रो फर्टिलाइजेशन (IVF) बछियों** की खरीद को प्रोत्साहित करने के लिए दुग्ध संघों, वित्तीय संस्थानों या बैंकों से लिए गए ऋण पर **3% ब्याज छूट** मिलेगी।

राष्ट्रीय गोकुल मिशन (RGM) की उपलब्धियां

- **दुग्ध उत्पादन:** पिछले **10 वर्षों में 63.55%** की वृद्धि हुई है।
- **प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता:** 2013-14 में **307 ग्राम प्रतिदिन** से बढ़कर 2023-24 में **471 ग्राम प्रतिदिन** हो गई है।
- **डेयरी उत्पादकता:** पिछले दस वर्षों में **26.34% की वृद्धि** हुई है।
- **कृत्रिम गर्भाधान:** मिशन के तहत **राष्ट्रव्यापी कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम (NAIP) 605 जिलों में किसानों के घरों पर मुफ्त कृत्रिम गर्भाधान सुविधा प्रदान** करता है।

भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) ने भारत के विप्रेषण (रेमिटेंस) के बदलते रुझान पर प्रकाश डाला

इसके लिए RBI ने 2023-24 के **'भारत के विप्रेषण सर्वेक्षण के छठे दौर'** के डेटा का उपयोग किया है।

- जब प्रवासी अपने परिवारों की सहायता के लिए अपनी आय का कुछ हिस्सा नकदी या सामान के रूप में अपने मूल देश (घर) भेजते हैं, तो इसे **विप्रेषण** कहा जाता है।
- RBI ने यह भी बताया कि **विदेशों में रहने वाले भारतीय प्रवासियों की संख्या 1990 की 6.6 मिलियन से तिगुनी बढ़कर 2024 में 18.5 मिलियन** हो गई है।

RBI के मुख्य पर्यवेक्षणों पर एक नजर:

- **स्थिति:** विश्व बैंक के अनुसार, **भारत 2008 से लेकर अब तक लगातार वैश्विक स्तर पर सबसे अधिक विप्रेषण प्राप्त करने वाला देश** रहा है।
  - 2010-11 में भारत ने **55.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर** का विप्रेषण प्राप्त किया था, जो **2023-24 में दोगुना होकर 118.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर** हो गया था।
    - भारत के **सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में विप्रेषण का हिस्सा वर्ष 2000 से लगभग 3%** बना हुआ है।
- **विप्रेषण के स्रोत देश:** भारत आने वाले विप्रेषण में उन्नत अर्थव्यवस्थाओं की हिस्सेदारी बढ़ी है। अब **उन्नत अर्थव्यवस्थाओं** की हिस्सेदारी खाड़ी अर्थव्यवस्थाओं (जैसे संयुक्त अरब अमीरात) की तुलना में अधिक हो गई है।
  इस बदलाव का कारण यह है कि अब ज्यादा भारतीय प्रवासी उच्चतर शिक्षा और कुशल नौकरियों के लिए विकसित देशों की ओर जा रहे हैं।
- **संयुक्त राज्य अमेरिका** (सबसे बड़ा योगदानकर्ता) और **यूनाइटेड किंगडम से आने वाला विप्रेषण** लगभग दोगुना होकर **कुल विप्रेषण का 40%** हो गया है।
- **राज्यवार वितरण: महाराष्ट्र** सबसे अधिक विप्रेषण प्राप्त करने वाला राज्य बना हुआ है। इसके बाद **केरल और तमिलनाडु** का स्थान है।
- **विप्रेषण की लागत में कमी:** भारत में **विप्रेषण भेजने की लागत वैश्विक औसत से कम** है, जिसका मुख्य कारण **डिजिटल लेन-देन का बढ़ता उपयोग** है।

विप्रेषण का महत्त्व

विप्रेषण भारत के **व्यापार घाटे के लगभग 42% का वित्त-पोषण** करता है।

भारत में आने वाला विप्रेषण अंतर्वाह **विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (FDI)** से लगातार अधिक रहा है।

रहन-सहन की गुणवत्ता में सुधार होता है, जैसे परिवार का खर्च, शिक्षा आदि।

पत्तन आधारित विकास को बढ़ावा देने के लिए सागरमाला स्टार्ट-अप इनोवेशन पहल (S2I2) आरंभ की गई

सागरमाला स्टार्ट-अप इनोवेशन पहल (S2I2) को **राष्ट्रीय सागरमाला शीर्ष समिति (NSAC) की चौथी बैठक** में लॉन्च किया गया है।

- इस बैठक में **सागरमाला 2.0 में अपग्रेड करने की योजना** पर भी प्रकाश डाला गया।

इस बैठक के मुख्य परिणामों पर एक नजर

- **सागरमाला स्टार्ट-अप इनोवेशन पहल (S2I2):**
  - **उद्देश्य:** ग्रीन शिपिंग, स्मार्ट पोर्ट, मैरीटाइम लॉजिस्टिक्स, पोत निर्माण प्रौद्योगिकी और संधारणीय तटीय विकास जैसे क्षेत्रों में काम करने वाले **स्टार्ट-अप्स को सशक्त** बनाना।
  - इससे **अनुसंधान, नवाचार, स्टार्ट-अप्स और उद्यमिता को तेजी से बढ़ावा** मिलेगा।
  - इसमें **वित्त-पोषण, मार्गदर्शन और उद्योग आधारित साझेदारी** के माध्यम से अत्याधुनिक समाधानों को विकसित करने को भी बढ़ावा दिया जाएगा।
- **सागरमाला 2.0:**
  - यह **पोत निर्माण, मरम्मत, पोत को तोड़ने और पुनर्चक्रण** पर ध्यान देते हुए सागरमाला कार्यक्रम को अपग्रेड करेगा।
  - इसके निम्नलिखित उद्देश्य हैं-
    - **मैरीटाइम अमृत काल विज़न (MAKV 2047) को साकार** करना;
    - भारत को विश्व के **शीर्ष पांच पोत निर्माण देशों** में स्थान दिलाना है; तथा
    - पत्तन की हैंडलिंग क्षमता को **सालाना 10 अरब मीट्रिक टन** तक बढ़ाना है।

सागरमाला कार्यक्रम की प्रमुख उपलब्धियां

समुद्री अवसंरचना:
100 से अधिक पत्तन आधुनिकीकरण परियोजनाएं पूरी की गई हैं, जिनसे पत्तन की हैंडलिंग क्षमता में 230 मिलियन टन प्रति वर्ष (MTPA) की बढ़ोतरी हुई है।

पोर्ट कनेक्टिविटी:
80 से अधिक पोर्ट कनेक्टिविटी परियोजनाओं के माध्यम से 1,500 किमी की कनेक्टिविटी बढ़ाई गई है।

तटीय समुदाय का विकास:
मछली पकड़ने के बंदरगाह परियोजनाओं ने 30,000 से अधिक मछुआरों पर सकारात्मक प्रभाव डाला है।

सागरमाला कार्यक्रम, 2015 के बारे में

- **उद्देश्य: भारत की लगभग 7,500 किमी लम्बी तटरेखा और 14,500 किमी संभावित नौगम्य जलमार्गों की क्षमता का उपयोग** करके देश में आर्थिक विकास को गति प्रदान करना।
  - इसका लक्ष्य घरेलू और एक्जिम (निर्यात-आयात) कार्गो, दोनों के लिए लॉजिस्टिक्स संबंधी लागत को कम करना है।
- **मंत्रालय: पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय।**
- **शीर्ष निकाय: राष्ट्रीय सागरमाला शीर्ष समिति (NSAC)।**
- **पांच प्रमुख स्तंभ:**
  - पत्तन आधारित औद्योगीकरण,
  - पत्तन आधुनिकीकरण,
  - पोर्ट कनेक्टिविटी,
  - तटीय पोत परिवहन और अंतर्देशीय जलमार्ग, तथा
  - तटीय समुदाय का विकास।

कैबिनेट ने संशोधित राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम (NPDD) को मंजूरी दी

संशोधित NPDD का उद्देश्य **डेयरी संबंधी अवसंरचना का आधुनिकीकरण और विस्तार** करना है। इससे इस क्षेत्रक की निरंतर वृद्धि और बेहतर उत्पादकता सुनिश्चित होगी और किसानों की आय में भी बढ़ोतरी होगी।

संशोधित राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम (NPDD) के बारे में

- यह **2014** में शुरू की गई एक **केंद्रीय क्षेत्रक** की योजना है। इसे **2021** में नए रूप से पुनर्गठित किया गया था।
- **परिव्यय:** संशोधित NPDD को **1000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बजट** दिया गया है। इससे **15वें वित्त आयोग की सिफारिश अवधि (वित्त-वर्ष 2021-22 से 2025-26 तक) के लिए** कुल बजट **2790 करोड़ रुपये** हो गया है।
- **कार्यान्वयन एजेंसी:** मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय का पशुपालन एवं डेयरी विभाग (DAHD)।
- **मुख्य उद्देश्य:**
  - **10,000 नई डेयरी सहकारी समितियां (DCSs)** स्थापित करना;
  - **पूर्वोत्तर क्षेत्र में दूध की खरीद और प्रसंस्करण व्यवस्था को मजबूत** करना;
  - NPDD की जारी परियोजनाओं के अतिरिक्त, **अनुदान संबंधी समर्पित सहायता के साथ 2 दुग्ध उत्पादक कंपनियों (MPCs)** का गठन करना;
  - **महिलाओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए 3.2 लाख अतिरिक्त प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर** सृजित करना।
    - **डेयरी क्षेत्रक के कार्यबल में महिलाओं की हिस्सेदारी लगभग 70% है।**
- **इस योजना में 2 प्रमुख घटक शामिल हैं:**
  - **घटक A: DCSs और MPCs के गठन का समर्थन करके विशेष रूप से दूर-दराज एवं पिछड़े क्षेत्रों में डेयरी संबंधी आवश्यक अवसंरचना में सुधार** करना। उदाहरण के लिए दुग्ध शीतलन संयंत्र, दुग्ध परीक्षण प्रयोगशालाएं और प्रमाणन प्रणाली।
  - **घटक B: सहकारिता के माध्यम से डेयरी (DTC):** यह **जापान अंतर्राष्ट्रीय सहयोग एजेंसी (JICA)-सहायता प्राप्त** कार्यक्रम है। इसका उद्देश्य **9 राज्यों** में उत्पादन, प्रसंस्करण और विपणन संबंधी अवसंरचना में सुधार करके **डेयरी सहकारी समितियों का संधारणीय विकास** करना है।

राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम (NPDD) की उपलब्धियां:

- **रोजगार** 30,000 से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार प्रदान किए गए हैं।
- **दुग्ध खरीद क्षमता: दुग्ध संग्रहण क्षमता में 100.95 लाख लीटर प्रतिदिन** का इजाफा हुआ है।
- **अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी:** 51,777 से अधिक ग्राम स्तरीय दुग्ध परीक्षण प्रयोगशालाओं को मजबूत किया गया; 123.33 लाख लीटर की संयुक्त क्षमता वाले मिल्क कूलर स्थापित किए गए; 232 मिलावट का पता लगाने हेतु डेयरी संयंत्रों में उन्नत प्रणालियां स्थापित की गई हैं आदि।

मनरेगा (MGNREGA) के तहत रोजगार सृजन में 82% वृद्धि हुई

वित्त वर्ष 2014-15 और वित्त वर्ष 2024-25 के बीच मनरेगा के तहत **3,029 करोड़ कार्य-दिवस** सृजित किए गए थे। यह पिछले दशक की तुलना में **82% की वृद्धि** को दर्शाता है।

- सक्रिय मनरेगा श्रमिकों में से **99.49% का आधार सीडिंग का कार्य भी पूरा** हो चुका है।

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के बारे में

- **मनरेगा:** महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम, 2005 के तहत मनरेगा योजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है।
- **उद्देश्य:** प्रत्येक ग्रामीण परिवार को, जिसके वयस्क सदस्य **अकुशल शारीरिक कार्य करने के लिए स्वेच्छा से तैयार हों,** एक वित्तीय वर्ष में कम-से-कम **100 दिन का गारंटीकृत मजदूरी सहित रोजगार उपलब्ध कराना।**
- **लाभार्थी: ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले 18 वर्ष से अधिक आयु** के परिवार के सभी सदस्य।
- **कवरेज: 100% शहरी आबादी वाले जिलों को छोड़कर** संपूर्ण देश।
- **मजदूरी की दरें:** अलग-अलग राज्यों में मजदूरी दरें अलग-अलग हैं।
  - **मनरेगा के तहत मजदूरी दरें उपभोक्ता मूल्य सूचकांक-कृषि श्रमिक (CPI-AL)** में होने वाले **परिवर्तन** के आधार पर तय की जाती हैं। CPI-AL ग्रामीण क्षेत्रों में मुद्रास्फीति को दर्शाता है।

मनरेगा के तहत हासिल उपलब्धियां

- **महिलाओं की भागीदारी में वृद्धि:** यह वित्त वर्ष 2013-14 में **48% से बढ़कर** चालू वित्त वर्ष में **58% से अधिक** हो गई है।
- **जल-संकटग्रस्त ग्रामीण ब्लॉक्स की संख्या में कमी:** इनकी संख्या **1456** तक हो गई है, जो पिछले दशक में **2264** थी। यह **35% की कमी** को दर्शाता है।
- **व्यक्तिगत परिसंपत्तियों के सृजन में वृद्धि:** यह वित्त वर्ष 2013-14 के **17.6% से बढ़कर** वित्त वर्ष 2024-25 में **56.99% तक** हो गई है।
- **अमृत सरोवर:** प्रथम चरण में देश भर में **68,000 से अधिक** अमृत सरोवरों का निर्माण किया गया है।

अन्य सुर्ख़ियां

सोनिक वेपन

सर्बिया ने बेलग्रेड में प्रदर्शनकारियों को हटाने के लिए प्रतिबंधित 'सोनिक वेपन' के इस्तेमाल से इनकार किया।

सोनिक वेपन के बारे में

- इन्हें **एकॉस्टिक वेपन** भी कहा जाता है। ये उपकरण लंबी दूरी तक **बहुत तेज ध्वनि उत्पन्न** करते हैं।
- इनका उपयोग ध्वनि संदेश/ अन्य ध्वनियां पहुंचाने के लिए ध्वनि प्रवर्धक (Amplifier) की तरह भी किया जा सकता है।
- **कार्य:** इसमें आमतौर पर सैकड़ों **आधुनिक ट्रांसड्यूसर्स** होते हैं। ये **इलेक्ट्रॉनिक उपकरण** होते हैं। **ट्रांसड्यूसर्स** ऊर्जा को एक रूप से दूसरे रूप में बदलकर अत्यधिक केंद्रित और प्रवर्धित ध्वनि उत्पन्न करते हैं। फिर इन साउंड बीम्स को संकेंद्रित करके विशिष्ट लक्षित क्षेत्रों पर इनका इस्तेमाल किया जाता है।
- **प्रभाव: टिनिटस** (बिना किसी बाहरी स्रोत के कानों में गूंजने, भिनभिनाने या अन्य ध्वनियों का अनुभव होना); सुनने की क्षमता में कमी आदि।

ऑटोनोमस सरफेस वेसल्स (ASVs)

भारतीय और अमेरिकी कंपनियों ने एंटी-सबमरीन वारफेयर के लिए वेव ग्लाइडर, एक **ऑटोनोमस सरफेस वेसल (ASV)** को संयुक्त रूप से विकसित करने के लिए समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए।

ऑटोनोमस सरफेस वेसल्स (ASVs) के बारे में

- ये **रोबोटिक पोत** होते हैं, जो समुद्र की सतह पर कार्य करते हुए **महासागरीय डेटा रिकॉर्ड** करते हैं।
- ये **तरंग शक्ति या प्रोपेलर-चालित प्रणोदन प्रणाली** का उपयोग करते हैं।
- **लाभ:**
  - ऑटोनोमस अंडरवाटर व्हीकल्स की तुलना में **बड़े पेलोड्स** को वहन करने और **अधिक बैटरी क्षमता** होती है।
  - नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों (सौर और पवन ऊर्जा) का उपयोग करके लंबे समय तक संचालन कर सकते हैं।
- **चुनौतियां:** अत्यधिक भीड़-भाड़ वाले समुद्री क्षेत्रों में इन्हें नेविगेशन में मुश्किल हो सकती है।

समर्थ

टेलीमेटिक्स विकास केंद्र ने दूरसंचार और IT क्षेत्रकों के लिए अत्याधुनिक इनक्यूबेशन कार्यक्रम 'समर्थ' का शुभारंभ किया।

समर्थ के बारे में

- **उद्देश्य:** सस्टेनेबल और स्केलेबल बिजनेस मॉडल के विकास को प्रोत्साहित करना, अत्याधुनिक संसाधनों को उपलब्ध कराना और किसी आइडिया को वाणिज्यिक रूप से सार्थक बनाने में स्टार्ट-अप्स की मदद करना।
- **कार्यान्वयन साझेदार:** सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (STPI), इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत प्रमुख विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संगठन।

जलवायु स्थिति 2024 रिपोर्ट (State of Climate 2024 Report)

जलवायु स्थिति 2024 रिपोर्ट को **विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO)** द्वारा प्रकाशित किया गया है।

इस रिपोर्ट के मुख्य बिंदुओं पर एक नजर

- WHO के अनुसार वायुमंडल में **ग्रीनहाउस गैसों का स्तर पिछले 8,00,000 वर्षों में सबसे अधिक** है।
- रिपोर्ट में कहा गया है कि **पिछले 10 वर्ष,** 1850 के बाद से दर्ज किए गए 10 सबसे गर्म वर्षों में शामिल हैं।
- पृथ्वी का **क्रायोस्फीयर (हिमांक-मंडल) काफी तेजी से** पिघल रहा है।
- **चरम मौसमी घटनाओं** के कारण 2008 के बाद से 2024 में सबसे अधिक विस्थापन हुए हैं।

संसद भाषिणी पहल

लोक सभा सचिवालय और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) ने AI-संचालित बहुभाषी संसदीय परिचालन के लिए संसद भाषिणी पहल विकसित करने पर सहमति व्यक्त की।

संसद भाषिणी पहल के बारे में

- **उद्देश्य:** संसद भाषिणी का उद्देश्य संसद से जुड़े कार्यों के संचालन में विविध भाषाओं की सुविधा प्रदान करने और इससे जुड़ी प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित बनाने के लिए एक व्यापक इन हाउस AI समाधान प्रदान करना है।
  - **भाषिणी** MeitY द्वारा निर्मित एक AI-संचालित भाषा अनुवाद प्लेटफॉर्म है।
- संसद भाषिणी के अंतर्गत प्रमुख AI पहलों में **AI-आधारित अनुवाद, संसद की वेबसाइट के लिए AI-संचालित चैटबॉट** आदि शामिल हैं।

अश्विनी

रक्षा मंत्रालय ने **भारतीय वायु सेना के लिए लो लेवल ट्रांसपोर्टेबल रडार (LLTR) 'अश्विनी'** की खरीद हेतु **भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (BEL)** के साथ पूंजी अधिग्रहण अनुबंध पर हस्ताक्षर किए।

अश्विनी के बारे में

- यह **एक्टिव इलेक्ट्रॉनिकली स्कैन्ड फेज़्ड ऐरे रडार** है, जो अत्याधुनिक **सॉलिड स्टेट तकनीक** पर आधारित है।
- इसे **DRDO के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं रडार विकास प्रतिष्ठान ने स्वदेशी रूप से विकसित** किया है।
- **मुख्य विशेषताएं:**
  - यह **तेज गति से उड़ने वाले लड़ाकू विमानों से लेकर धीमी गति से चलने वाले ड्रोन्स और हेलीकॉप्टर्स** जैसे हवाई लक्ष्यों को ट्रैक कर सकता है।
  - यह रडार **200 किमी तक के क्षेत्र में लक्ष्य को ट्रैक** कर सकता है।

अपलिंक इनिशिएटिव

विश्व आर्थिक मंच (WEF) के तहत अपलिंक इनिशिएटिव से 2023-2024 के दौरान **कार्बन उत्सर्जन में 142,400 टन की कटौती** हुई।

अपलिंक इनिशिएटिव के बारे में

- यह **प्रभावशाली प्रारंभिक चरण के नवाचार** पर केंद्रित है।
- इसे **डेलॉइट और सेल्सफोर्स** के सहयोग से **WEF द्वारा 2020** में लॉन्च किया गया था।
- यह ऐसे **इकोसिस्टम्स** का निर्माण करता है, जो उद्देश्य युक्त और शुरुआती चरण के उद्यमियों को अपने व्यवसायों को उन बाजारों के लिए बढ़ाने में सक्षम बनाता है जो नेट जीरो उत्सर्जन, प्रकृति के प्रति सकारात्मक (nature-positive) और न्यायसंगत (equitable) भविष्य के लिए आवश्यक हैं।
- **उद्देश्य:** प्रारंभिक चरण के नवाचारकर्ताओं को समर्थन देना, नवाचार आधारित इकोसिस्टम को सक्षम बनाना और धारणा को प्रभावित करना।

स्क्वाड एलायंस

फिलीपींस ने भारत से 'स्क्वाड' एलायंस में शामिल होने का आग्रह किया।

स्क्वाड एलायंस के बारे में

- यह एक **अनौपचारिक मिनिलैटरल (लघुपक्षीय)** गठबंधन है। इसमें **संयुक्त राज्य अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया और फिलीपींस** शामिल हैं।
- **उद्देश्य:** हिंद-प्रशांत महासागर क्षेत्र में आक्रामकता से निपटना, स्थिरता को बनाए रखना आदि।
- यह **क्वाड से अलग** है जिसमें **भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया** शामिल हैं।

मिलर-उरे परिकल्पना

एक अध्ययन में इस तथ्य का खुलासा हुआ है कि **'माइक्रोलाइटनिंग'** ने पृथ्वी पर जीवन की उत्पत्ति में अहम भूमिका निभाई है। यह नवीन खुलासा मिलर-यूरे परिकल्पना को चुनौती देता है।

- माइक्रोलाइटनिंग **सूक्ष्म विद्युत चमक** है। इनका निर्माण तब होता है, जब विपरीत रूप से आवेशित (धनात्मक और ऋणात्मक) पानी की बूंदे अलग-अलग होने के बाद एक-दूसरे के करीब आती हैं। माइक्रोलाइटनिंग की प्रक्रिया **बादलों में बिजली बनने की प्रक्रिया** के समान है, लेकिन यह बहुत सूक्ष्म पैमाने पर होती है।

मिलर-यूरे परिकल्पना के बारे में

- इस परिकल्पना में दावा किया गया था कि **बिजली के गिरने से पृथ्वी के शुरुआती वायुमंडल में रासायनिक अभिक्रियाएं** शुरू हुई थीं।
  - इसमें सफलतापूर्वक प्रदर्शित किया गया था कि जीवन के लिए आवश्यक **कार्बनिक यौगिकों (जैसे अमीनो एसिड)** का निर्माण **जल और अकार्बनिक गैसों के मिश्रण में बिजली का प्रवाह** करके किया जा सकता है।
  - हालिया अध्ययन ने **माइक्रोलाइटनिंग का उपयोग करके कार्बनिक यौगिकों के निर्माण** को प्रदर्शित किया है।
- **सीमा:** आलोचकों का तर्क है कि बिजली गिरने की घटनाएं बहुत कम होती थी और ज्यादातर खुले महासागर में घटित होती थी। इससे समुद्र में बनने वाले कार्बनिक यौगिक शीघ्र ही जल में फैल जाते थे, जिससे जीवन के निर्माण के लिए आवश्यक जटिल अणुओं का निर्माण मुश्किल हो जाता था।